हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई प्राईवेट बस, दो मजदूरों की मौत, 11 झुलसे

बस में सवार सभी मजदूर उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले थे, जो मनोहरपुर के टोडी गांव स्थित ईंट-भट्टे पर काम करने आए थे, लेकिन रास्ते में ही हादसा हो गया

मनोहरपुर/जयपुर, (निसं)। जयपुर ग्रामीण जिले के मनोहरपुर थाना इलाके में मंगलवार की सुबह मजदूरों से भरी एक प्राईवेट बस हाईटेंशन लाइन (ग्यारह हजार केवी) की चपेट में आ गई है। इस दर्दनाक घटना में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 11 मजदूर बुरी तरह झुलस गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में छह मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर सवाई मानसिंह अस्पताल रैफर किया गया है। जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल के एडिशनल सुपरिंटेंडेंट प्रदीप शर्मा ने बताया कि विशेषज्ञों की टीम गंभीर रूप से घायल लोगों की जांच कर रही है। प्राथमिक तौर पर सभी की स्थिति स्थिर है और एक महिला ज्यादा जली है। अन्य झुलसे लोगों का इलाज शाहपुरा उपजिला अस्पताल में जारी है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

शाहपुरा (जयपुर ग्रामीण) वृत्ताधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि यह घटना टोडी गांव के पास हुई है। बस में सवार सभी मजदूर उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले थे, जो मनोहरपुर के टोडी गांव स्थित ईंट भट्टे पर काम करने आए थे। टोडी गांव के पास 11 हजार वोल्ट की तार की चपेट में आने से करंट बस में फैला है। इसके बाद सिलेंडर फटने से बस में आग लगी है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दमकल की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है। बस हादसे में मारे जाने वाले दो मृतकों के नाम नसीम (50) और सहीनम (20) हैं। ये दोनों रिश्ते में पिता और बेटी हैं, जबकि, नाजमा (40), सितारा (49), अजर (19), अल्ताफ (19) और नदीम (30) को गंभीर हालत में जयपुर के एसएमएस अस्पताल रैफर किया गया है। 40 वर्षीय चंदा का शाहपुरा सीएचसी स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार चल रहा है। इस घटना के बाद जयपुर जिला कलेक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी और जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा डूडी भी मौके पर पहुंचे। शाहपुरा उपजिला अस्पताल से डॉक्टरों की टीम भी मौके पर बुलाई गई है। इसके साथ ही एफएसएल टीम भी जयपुर से घटनास्थल पर पहुंची है। एफएसएल की टीम इस हादसे से जुड़े साक्ष्य जुटा रही है, जिससे हादसे के कारणों का पता लगाया जा सकेगा।

मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बस में से घायल मजदूरों को बाहर निकाला।

जयपुर के जिला कलक्टर जितेन्द्र सोनी ने बताया, यह बस यूपी में पीलीभीत से आ रही थी। इसमें लगभग 65 लोग सवार थे, जिनमें 30 महिलाएं, 35 पुरुष और कुछ बच्चे थे। दुर्घटना जिस जगह हुई, उससे करीब 200-300 मीटर दूर एक ईंट भट्ठे पर इसे जाना था। जांच में सामने आया कि दो-तीन लोग बस चालक को यह बताने के लिए नीचे उतर गये थे कि वह धीरे-धीरे आए, क्योंकि बिजली का तार है। लेकिन तार बस से छू गया। जयपुर के जिलाधिकारी जितेन्द्र सोनी ने बताया कि हादसे में बच गए लोगों को पुलिस और प्रशासन की टीमें सुरक्षित स्थान पर ले गई हैं, जहां उनकी देखभाल की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल ने बताया कि मनोहरपुर के पास ही स्थित ईंट के एक भट्ठे पर काम करने के लिए एक ठेकेदार यूपी से मजदूरों को लेकर आ रहा था। अभी जांच की जा रही है कि कैसे लापरवाही हुई।

हादसे पर दुख जताते हुए

- **11 हजार वोल्ट की तार की चपेट में आने से बस में करंट फैल गया, इसके बाद सिलेंडर फटने से बस में आग लग गई**

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने तुरंत सरकारी अधिकारियों से बात की और निर्देश दिए हैं कि हादसे में घायल हुए लोगों को बेहतर और सही इलाज मिलना सुनिश्चित किया जाए। उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है और ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और सभी घायल लोग जल्द से जल्द स्वस्थ हों। जांच -पडताल में सामने आया कि बस में कई सिलेंडर रखे हुए थे। इनमें से दो में धमाका हुआ था। बस दूसरे राज्य से भरतपुर होते हुए इस गांव की ओर आ रही थी। वे पता करवा रहे है कि रास्ते में इसकी जांच क्यों नहीं हुई।

स्कूली शिक्षा एवं पंचायती राजमंत्री मदन दिलावर ने कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर जिले के मनोहरपुर क्षेत्र में हुई बस दुर्घटना में हुई जन-हानि पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

उदयपुर संभाग के कई क्षेत्रों में दूसरे दिन भी बारिश हुई

- **उदयपुर में ढाई इंच, वल्लभनगर में चार इंच बारिश दर्ज, डबोक तालाब ओवरफ्लो हुआ**
- **पहाड़ियों से पानी की आवक होने पर फतहसागर के तीन गेट, उदयसागर बांध में पानी की आवक बढ़ने से दोनों गेट 3.3 फीट तक खोले**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर और सलूंबर जिले में मंगलवार को दूसरे दिन भी बारिश का दौर जारी रहा। संभाग के कई क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों में भारी व कहीं -कहीं अति भारी बारिश दर्ज की गई। उदयपुर शहर में रात भर में करीब ढाई इंच, जबकि वल्लभनगर में चार इंच बारिश हुई।

इधर उदयसागर से निकासी बढ़ाने के लिये दोनों गेट बढ़ाकर तीन-तीन फीट खोल दिए गए हैं। फतहसागर के भी तीन गेट फिर से खोले गए हैं। बारिश से उदयपुर में अधिकतम तापमान 20.2 डिग्री, जबकि रात का तापमान 18.2 डिग्री दर्ज हुआ है। उदयपुर शहर सहित, कई क्षेत्रों में रात भर रूक- रूक बारिश का दौर बना रहा। मंगलवार को दोपहर से पहले तक रूक- रूक कर हल्की बारिश होती रही। रात भर बारिश जारी रहने से पहाड़ियों से पानी की आवक होने पर जलसंसाधन विभाग ने फतहसागर के तीन गेट फिर से खोल दिए। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को भी उदयपुर संभाग में कहीं- कहीं भारी बारिश हो सकती है।

जल संसाधन विभाग की कनिष्ठ अभियंता दीपिका नागदा ने बताया कि फतहसागर झील के तीन गेट आज सुबह दो-दो इंच तक खोले गए। झील में पानी की आवक बनी हुई है, ऐसे में ये गेट खोले गए। इससे पहले रात को भी एक बार गेट खोले गए थे। फतहसागर का पानी आयड़ नदी में होकर उदयसागर झील में समाहित हो रहा है। उदयसागर के गेट पहले से ही खोल रखे है। उदयपुर शहर के पास कैचमेंट क्षेत्र में हो रही अच्छी बारिश से उदयसागर बांध में पानी की आवक बढ़ने से मंगलवार को उदयसागर बांध के दोनों गेट 3-3 फीट तक खोले गए है। एक दिन पहले गेट 6.6 इंच तक खोले थे। उदयपुर जिले के वल्लभनगर इलाके के रुंडेडा गांव में बारिश के चलते माल क्षेत्र का पानी गांव के आजाद नगर से हॉस्पिटल रोड होते हुए तालाब में पहुंचता है। गांव के बीचों-बीच के रास्ते से यह पानी गुजरने से गांव के अंदर का रास्ता बाधित हो गया है। यहां माल इलाके के खेतों में भी बारिश का पानी भर गया है।

बारिश के चलते उदयपुर जिले के कोटड़ा उपखंड क्षेत्र के सभी विद्यालयों में मंगलवार को अवकाश घोषित कर दिया है। कोटड़ा के उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट मुकेश मीणा ने अवकाश घोषित करने के आदेश मंगलवार सुबह जारी किए। क्षेत्र के प्री.प्राइमरी से कक्षा 12वीं तक सभी राजकीय व निजी विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों, उपखंड क्षेत्र में अवकाश घोषित किया गया।

उदयपुर जिला प्रशासन ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि उदयसागर का पानी बेड़च नदी के जरिए आगे वल्लभनगर की तरफ बढ़ रहा है ऐसे में बहाव क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गतिविधियां न करें। साथ ही इस क्षेत्र में बहते पानी या रपट को पार करने का प्रयास नहीं करें। जलसंसाधन विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में उदयपुर शहर में 60 मिलीमीटर, बड़गांव 67, कुराबड़ 63, डबोक 82, मावली 53, वल्लभनगर 102, कानोड़ 64, भींडर 57, खेरवाड़ा 63, झाड़ोल 48, 59 मिलीमीटर बारिश हुई। सलूंबर जिले के सराडा में 30, झलारा में 39, सलूंबर में 16 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई है।

बस्सी गांव में बघेरे का आतंक

निवाई, (निसं)। बस्सी गांव में बघेरे ने आबादी क्षेत्र में स्थित एक बाड़े में बंधी एक बकरी का शिकार कर लिया। पीड़ित दयाराम पोसवाल ने बताया कि बघेरे के हमले में उसकी बकरी की मौत हो गई, जिससे उसको लगभग 15 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।

घटना की जानकारी विधायक रामसहाय वर्मा, नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, टोंक डीएफओ मारिया शाहीन और रेंजर धारीलाल बैरवा को दी गई। विधायक वर्मा ने वन विभाग के अधिकारियों को तुरंत सूचित किया। सूचना मिलने पर रेंजर धारीलाल बैरवा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बघेरे के पदचिह्नों का निरीक्षण किया और मृत बकरी का पोस्टमार्टम करवाया। बघेरे को पकड़ने के लिए घटनास्थल पर एक पिंजरा रखवाया है और जीपीएस कैमरा लगवाया गया है। रेंजर बैरवा ने बताया कि पीड़ित किसान को मुआवजा दिलवाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने बघेरे को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है। हंसराज हरसाना ने बताया कि बस्सी की पहाड़ी पर पिछले कई दिनों से बघेरे का लगातार मूवमेंट बना हुआ है।

डूबते सूरज को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन

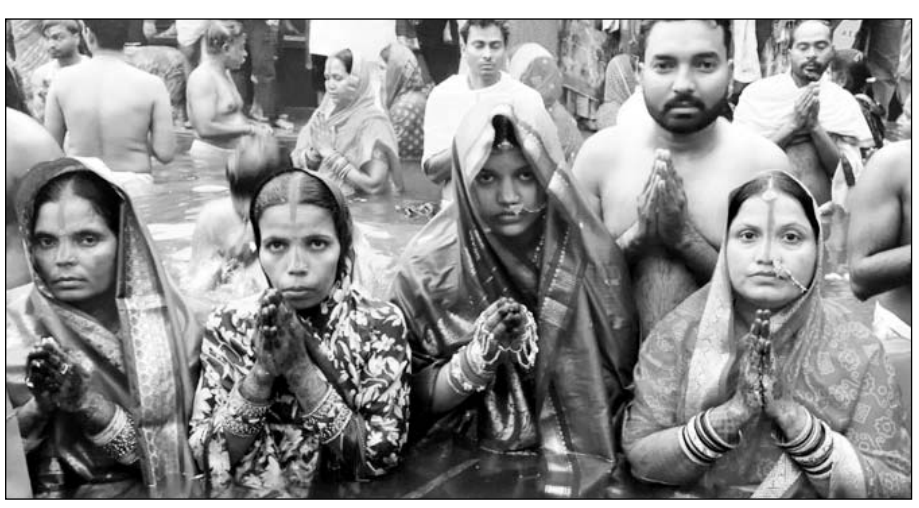

कोटा में छठ महापर्व का शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की पारंपरिक विधि के साथ समापन हुआ।

कोटा, (निसं)। बिहार समाज विकास समिति के तत्वावधान में रंगबाड़ी बालाजी परिसर में चल रहे छठ महापर्व का मंगलवार शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की पारंपरिक विधि के साथ भक्तिमय समापन हुआ। बिहार समाज विकास समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने बताया कि दिनभर रुक-रुक कर हुई बारिश के कारण सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो पाए, फिर भी व्रती माताओं और परिवारों ने अड़िग आस्था के साथ जल में खड़े होकर छठ मैया और सूर्य नारायण को अर्घ्य अर्पित किया। यही संकल्प और श्रद्धा इस पर्व की सबसे बड़ी पहचान मानी जाती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुदर्शन गुप्ता, कामता प्रसाद गुप्ता, जयराम शाह गुप्ता, संदीप गुप्ता, आकाश गुप्ता, पंकज गुप्ता, नंदकिशोर साहू, शंकर दयाल, रंजीत गुप्ता विज्ञाननगर वाले मदन कुमार समेत अन्य प्रबुद्धजन मौजूद रहे। व्रती महिलाओं ने पूरी शुचिता और नियमपालन के साथ पूजा की। अर्घ्य के दौरान जल में खड़े व्रतियों के चेहरों पर समर्पण, ध्यान और संतोष की आभा झलक रही थी। किसी ने छाता थाम रखा था, कोई भीगते हुए ही खड़ा रहा लेकिन हर कोई अपनी नजर और मन सूर्य की ओर लगाए रहा।

थार मरुस्थल पहुंची प्रवासी ''कुरजां पक्षी'' ने रेगिस्तान की रौनक बढ़ाई

पोकरण, (निसं)। सर्दियों की दस्तक के साथ ही थार मरुस्थल एक बार फिर प्रवासी पक्षियों के कलरव से गूंज उठा है। विदेशी मेहमान ''कुरजां'' (डेमोइसल सारस) ने जैसलमेर, रामदेवरा, देगराय ओरण और पोकरण क्षेत्र के तालाबों एवं सरोवरों में अपनी सुंदर उडान से रेगिस्तान की रौनक बढ़ा दी है।

जीव-जंतु एवं पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह सातवां ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी ये प्रवासी पक्षी मध्य एशिया, साइबेरिया, ईरान और अफगानिस्तान से हजारों किलोमीटर की लंबी यात्रा तय कर थार के विस्तृत रेतीले विस्तारों में पहुंचे हैं। ये नवंबर से अप्रैल तक यहां विश्राम करते हैं और प्रजनन क्रियाओं में संलग्न रहते हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार हाल ही में तालाबों के आसपास कुरजों के बडे झुंड दिखाई दे रहे हैं। राजस्थान की लोक संस्कृति में ''कुरजां'' का विशेष स्थान है। लोकगीतों में यह पक्षी प्रेम और विरह का प्रतीक माना गया है। प्रसिद्ध गीत कुरजां संदेशों लेती जाईजे रेज में विरहिणी नारी अपने पिया को संदेश भेजने के लिए इसी पक्षी को संदेशवाहक बनाती है। प्राचीन परंपरा के अनुसार, कभी-कभी प्रेम संदेश कुरजां पक्षी के पंखों पर लिखकर भेजे जाते थे, इसलिए यह पक्षी लोकभावनाओं में सजीव प्रेम का प्रतीक बन चुका है। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि इन प्रवासी पक्षियों का आगमन न केवल पर्यावरणीय संतुलन का सूचक है, बल्कि यह थार की जैव विविधता और पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य का भी परिचायक है। जहां-जहां इनके झुंड ठहरते हैं, वहां प्रकृति की सुंदरता और जीवन्तता का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है। वन्यजीव एवं पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह सातवां ने बताया कि कुरजां एक अत्यंत संवेदनशील और साहसी प्रवासी पक्षी है।

देगराय के ओरण व रामदेवरा क्षेत्र में प्रवासी ''कुरजां'' आकर्षण का केंद्र बने हुये हैं।

- **प्रवासी पक्षी मध्य एशिया, साइबेरिया, ईरान और अफगानिस्तान से हजारों किलोमीटर की यात्रा तय कर थार के रेतीले विस्तारों में पहुंचे**

हर वर्ष ये मध्य एशिया, साइबेरिया, मंगोलिया, ईरान और अफगानिस्तान से लगभग 4,000 से 8,000 किलोमीटर का लंबा सफर तय कर राजस्थान पहुंचते हैं। यह प्रवास आसान नहीं होता। रास्ते में कठोर मौसम, शिकारी पक्षी, तेज हवाएं और भोजन पानी की कमी जैसे कई खतरे इनका पीछा करते हैं। इसके बावजूद इनका सामूहिक अनुशासन और उडान व्यवस्था प्रकृति का अद्भुत करिश्मा माना जाता है।

जानकारों के अनुसार, यह प्रवास मुख्यत: नवंबर माह से शुरू होकर अप्रैल तक जारी रहता है। इस दौरान ये थार के शांत और खुले जल स्त्रोतों के आसपास भोजन, विश्राम और प्रजनन गतिविधियों में संलग्न रहते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले सप्ताह से स्थानीय तालाबों पर कुरजां के दर्जनों झुंड उतरने लगे हैं, जिससे सुबह और शाम का दृश्य अत्यंत मनोहारी बन गया है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेताया कि बढ़ते शहरीकरण, जलस्त्रोतों के सूखने, प्रदूषण और अवैध शिकार जैसे खतरों के चलते इन प्रवासी पक्षियों को अब पहले जैसी सुरक्षित उड़ान नहीं मिल पाती। मौसम परिवर्तन के कारण प्रवास का समय और संख्या में हल्की गिरावट के संकेत भी देखे गए हैं। ऐसे में जलस्त्रोतों का संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। थार में कुरजां का आगमन केवल मौसमी बदलाव का संकेत भर नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव संवेदनाओं के अनूठे संगम की कहानी भी है। इन प्रवासी पक्षियों के कलरव से जहां रेगिस्तान की नीरवता में जीवन का संचार होता है, वहीं लोकगीतों से लेकर लोकमानस तक इनका गहरा जुड़ाव राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का गौरव बढ़ाता है।

ऊर्जा मंत्री ने स्कूल के नवीन कक्षाकक्ष की दीवार पर हाथ लगाया तो प्लास्टर गिरा

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने अभियंताओं को स्पष्ट कहा कि भ्रष्टाचार करोंगे तो बचोंगे नहीं

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर मंगलवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय दीगोद में औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। वहां उन्होंने बालिकाओं से शिक्षा के बारे में बात की। वहीं अध्यापिकाओं से भी चर्चा की। इस दौरान नवनिर्मित कक्षा कक्ष में जाकर दीवार को हाथ लगाया तो दीवार से प्लास्टर झड़ने लगा। ऐसे में ऊर्जा मंत्री नागर ने अधिकारियों को बुलाकर उसकी जांच के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार विद्यालय में समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत 3 महीने पूर्व ही नवीन कक्षा कक्षों का निर्माण किया गया था।, लेकिन घटिया गुणवत्ता के चलते दीवारों से प्लास्टर झड़ रहा था। इसके बाद ऊर्जा मंत्री ने नाराजगी प्रकट करते हुए अधिकारियों को बुलाया। उन्होंने जेईएन को बुलाकर जानकारी ली। मंत्री नागर ने जूनियर इंजीनियर को कहा कि कक्षा कक्ष का निर्माण पूरा हो गया। घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग करते हुए कार्य की गुणवत्ता कमजोर होने के बावजूद स्कूल प्रशासन को हैंडओवर कर दिया गया। निर्माण कार्य के दौरान कोई मॉनिटरिंग नहीं हुई। उपखंड अधिकारी ने कहा कि अभियंता लीपापोती कर रहे हैं। मंत्री नागर ने अभियंताओं को स्पष्ट कहा कि भ्रष्टाचार करोंगे तो बचोंगे नहीं।

दीगोद में स्कूल के नवीन कक्षा कक्ष का निरीक्षण करने पहुंचे ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने दीवार पर हाथ लगाया तो प्लास्टर झड़ने लगा

- **ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय दीगोद में निरीक्षण के लिए पहुंचे**
- **स्कूल के निर्माण कार्य को लेकर पूर्व में एसडीएम ने भी औचक निरीक्षण किया था**

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि स्कूलों में निर्माण कार्य की जांच के लिए ऐसा स्वरूप विकसित करेंगे, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता की उचित जांच हो सके। वर्तमान में भी जेईएन, एईएन, एक्सईएन, एसई, एडिशनल चीफ इंजीनियर स्तर के अधिकारी होते हैं। लैबोरेट्री होती है, मापदंड भी निश्चित है। जांच करने के बाद सर्टिफिकेट जारी होता है। विजिलेंस टीम भी होती है। थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन होता है। सभी कुछ होता है, लेकिन भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की संवेदनाएं मर चुकी हैं। देश के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ करे तो इसको राजस्थान सरकार कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। जांच का बेहतर ढांचा विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भी बात की है। उचित समय पर सरकार द्वारा उचित निर्णय लिया जाएगा।

जिला स्तरीय कमेटी कर चुकी है फर्म को ब्लैकलिस्टेड करने की सिफारिश:- स्कूल के निर्माण कार्य को लेकर पूर्व में एसडीएम ने भी औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने घटिया निर्माण को लेकर समसा को पत्र लिखा। उन्होंने कारण बताओं नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण चाहा था। वहीं जिला स्तरीय सक्षम कमेटी द्वारा संवेदक द्वारा अनुबंध की शर्तों के विपरीत कार्य करने की बात कही गई थी। साथ ही, मेसर्स साबरी कंस्ट्रक्शन को ब्लैकलिस्टेड करने की भी सिफारिश की गई थी। इसके बावजूद अधिकारियों ने लीपापोती करते हुए नवीन कक्षाकक्षों को स्कूल को हैंडओवर कर दिया।

नौकरी लगवाने का झांसा देकर नर्सिंग छात्र से ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। सरकारी हॉस्पिटल में नर्सिंग स्टाफ की नौकरी लगवाने का झांसा देकर एक नर्सिंग स्टूडेंट से ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने स्टूडेंट से हजारों रुपए व मोबाइल फोन ले लिया। मामला श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र का है।

एडीजे कोर्ट-1 श्रीगंगानगर में दी शिकायत में आरिफ खान (22) निवासी गणेशगढ़ (श्रीगंगानगर) ने बताया कि उसने जीएनएम पास कर रखी है और वह नौकरी की तलाश में था। वह शहर के जनता हॉस्पिटल में लैब असिस्टेंट के पद पर काम कर रहा है। इसी दौरान सादुलशहर के हाथियांवाली गांव का विजेंद्र बुडानिया हॉस्पिटल में किसी परिचित का इलाज कराने आया। बातचीत में विजेंद्र ने खुद को सरकारी हॉस्पिटल का कर्मचारी बताया और अधिकारियों के साथ अच्छी सेटिंग होने की बात कही। आरोपी ने आरिफ खान से कहा कि वह उसे 2 लाख रुपए में संविदा पर श्रीगंगानगर के सरकारी हॉस्पिटल में नौकरी लगवा देगा। दो साल में नौकरी पक्की हो जाएगी। विश्वास में आकर आरिफ ने आरोपी को अपना रेज्यूम दे दिया। फिर आरोपी ने दोबारा डॉक्यूमेंट मांगकर 50 हजार कैश ले लिए। साथ ही आरिफ से अपनी मां कौशल्या देवी के अकाउंट में 22 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए। इसके बाद आरोपी ने आरिफ से कहा कि उसकी मां सरकारी टीचर हैं और उनकी सैलरी आने वाली है। आरिफ उसे नया मोबाइल फोन दिलवा दे। वह बाद में पूरा हिसाब कर देगा। बाद में आरिफ ने आरोपी को महंगा फोन दिलवाया। जिसकी ईएमआई आरिफ के अकाउंट से कट रही है। 14 जुलाई को आरिफ ने आरोपी से जॉइनिंग लेटर मांगा तो आरोपी बात टालता रहा। इसके बाद आरोपी ने आरिफ से कहा कि उसके हाथ में कोई संविदा की नौकरी नहीं है। यह उसका ठगी करने का प्लान था। आरोपी अब पैसे लौटाने से मना कर रहा है और आरिफ को जान से मारने की धमकी दे रहा है। आरिफ ने जवाहरनगर थाने में शिकायत दी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जिसके बाद आरिफ ने कोर्ट में शिकायत देकर मामला दर्ज कराया। फिलहाल कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होटल व्यवसायी से मारपीट, चार गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। जिले के खंडेला इलाके की जाजोद थाना पुलिस ने होटल व्यवसायी से मारपीट, तोड़फोड़ कर अवैध वसूली का प्रयास करने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

खंडेला डीएसपी इंसार अली ने बताया कि जाजोद थानाधिकारी मोहन लाल की टीम ने 24 घंटे में आरोपियों को हिरासत में ले लिया। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद घटना का वीडियो भी सामने आया है। आरोपियों ने घटना का वीडियो बनाकर दहशत फैलाने की कोशिश की थी, इससे पहले ही पुलिस ने अपराधियों को धर दबोचा।

मामले में जाजोद थानाधिकारी मोहन लाल ने बताया कि झुंझुनूं जिले के भोमपुरा निवासी परिवादी होटल संचालक रोहिताश ने रिपोर्ट दी थी कि ठिकरिया के पास नाइंडा में उसका होटल है। 25 अक्टूबर की रात करीब 2 बजे 2 कैंपर गाड़ियों में सवार होकर आए 4 बदमाशों ने कैंपर गाड़ियों से टक्कर मारकर काफी तोड़फोड़ की। साथ ही, होटल संचालक और अन्य स्टाफ के साथ मारपीट की। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी और फिरौती की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अपराधियों की धरपकड़ शुरू की। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने दबिश देकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने विकास निवासी लाखनी, जितेंद्र बुरड़क निवासी बासड़ी कलां, महेंद्र गोरा निवासी लाडपुर, देशराज जितरवाल निवासी रानीपुरा को गिरफ्तार कर लिया।